भारतीय डाक
India Post

डाक संवाद

नवंबर 2025

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा

India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

विपणन प्रभाग द्वारा परिकल्पित व संकलित

सफ़र

पृष्ठ संख्या

1 मंत्री जी का संदेश

2 राष्ट्रीय डाक सप्ताह

5
- भारतीय डाक ने 'कारोबार शिखर सम्मेलन 2025-26' (दूसरी तिमाही) में भविष्य का खाका प्रस्तुत किया
- प्रेस ब्रीफ : डाक विभाग की प्रमुख उपलब्धियाँ

6 ग्रामीण डाक सेवक : भारतीय डाक सेवा की धड़कन

7
- 'रोजगार मेला' के माध्यम से युवा सशक्तिकरण
- शासन और नवोन्मेष का सेतुबंध : एसएफसी 2025 में सचिव (डाक)

8
- भारतीय डाक को जानें : सदस्य (कार्मिक) के उद्गार
- स्पीड पोस्ट : तीव्र, सुरक्षित, कुशल

पृष्ठ संख्या

9
- भारतीय डाक ने अमेरिका के लिए अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाएँ बहाल कीं
- भारतीय डाक द्वारा पूर्व सैनिकों के लिए दवाईयों की द्वार तक डिलीवरी
- विशेष अभियान 5.0

11
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025
- राष्ट्रीय एकता दिवस 2025

12 डाक नायक : साहस, धैर्य और सेवा के प्रतीक

13 विशेष फीचर

15 फिलैटली कॉर्नर : डाक-टिकट और कहानियाँ

21 प्रमुख झलकियाँ

माननीय संचार मंत्री जी का संदेश

संचार मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS
सत्यमेव जयते

माननीय संचार मंत्री जी का संदेश

नमस्कार!

गत वर्ष भारतीय डाक की यात्रा बहुत शानदार रही। यह यात्रा भारत के हर कोने को विश्वास, नवोन्मेष और गौरव से भरने के हमारे दृढ़ संकल्प का प्रदीप्त प्रमाण है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में डाक विभाग अपनी सेवाओं को जन-जन के लिए सुलभ बनाने, अपनी प्रणालियों को आधुनिक बनाने तथा भारत के प्रत्येक नागरिक को विश्वसनीय सेवाएं और अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

डाकघर अधिनियम, 2023 जिसे 18 जून 2024 को लागू किया गया और नियमों और विनियमों की घोषणा 16 दिसंबर 2024 को की गई। यह हमारी अनमोल डाक-विरासत में नई ऊर्जा का संचार करने वाली महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस परिवर्तनकारी सुधार ने 'उन्नत डाक प्रौद्योगिकी' (एपीटी) प्लेटफ़ॉर्म के 4 अगस्त 2025 को राष्ट्रव्यापी शुभारंभ की नींव रखी। सीईपीटी द्वारा देश में तैयार और मेघराज 2.0 क्लाउड पर आधारित इस प्रौद्योगिकी द्वारा क्यूआर-कोड भुगतान, ओटीपी-समर्थित डिलीवरी और हर स्तर पर डिजिपिन एकीकरण की सुविधा प्रदान की गई। चार लाख से अधिक समर्पित और सुप्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ हम ऐसे भविष्य के निर्माण की ओर अग्रसर हैं जहां प्रौद्योगिकी प्रगति के उज्ज्वल सेतु के रूप में खड़ी है।

वित्तीय समावेशन हमारे मिशन का केंद्र बिंदु है। 31 अगस्त 2025 की स्थिति के अनुसार, डाक विभाग में अब तक कुल 36.56 करोड़ डाकघर बचत बैंक (पीओएसबी) खाते खोले गए हैं, जिनमें ₹21.29 लाख करोड़ की धनराशि जमा है। इसमें दर्ज की गई 14 प्रतिशत की वृद्धि डाक विभाग में लोगों के गहरे विश्वास को दर्शाता है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) अपने 1.65 लाख एक्सेस पॉइंट्स के माध्यम से शानदार प्रगति कर रहा है। वर्तमान में, 12.43 करोड़ ग्राहकों के साथ आईपीपीबी ने 41 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। जहां तक जमा राशि का प्रश्न है, यह 85 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ ₹21,307 करोड़ हो गई है। इसके अलावा, 11.67 करोड़ एईपीएस ट्रांज़ैक्शनों के माध्यम से ₹34,878 करोड़ संवितरित किए गए हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में 108 नए एक्सेस पॉइंट्स शुरू करने की पहल को 'डिजिटल भुगतान पुरस्कार 2024-25' से सम्मानित किया गया है; यह डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में हमारी नेतृत्वकारी भूमिका को रेखांकित करता है। सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत खोले गए कुल 3.64 करोड़ खातों में से 84 प्रतिशत खाते डाकघरों के माध्यम से खोले गए हैं, वहीं मार्च 2024 और अगस्त 2025 के बीच इनमें 41 लाख नए खाताधारक जोड़े गए हैं। डाक जीवन बीमा (पीएलआई) और ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) के अंतर्गत ₹1.85 लाख करोड़ राशि की कुल 1.19 करोड़ पॉलिसियां जारी की गई हैं; और इन पॉलिसियों से प्राप्त होने वाली प्रीमियम आय वित्त वर्ष 2024-25 में 15.6 प्रतिशत बढ़कर ₹18,782 करोड़ हो गई है।

डाक विभाग (डीओपी) ने अपनी स्पीड पोस्ट सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण पहलें आरंभ की हैं। इसके अंतर्गत, 1 अक्तूबर, 2025 से संशोधित टैरिफ लागू किए जा रहे हैं और भारत की सबसे तेज़ डिलीवरी सेवा के रूप में अपनी पहचान मजबूत करने हेतु डिज़ाइन की गई तमाम नवोन्मेषी सुविधाएं भी शुरू की जा रही हैं। इन सुविधाओं में, बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु ओटीपी-आधारित डिलीवरी, डाक वस्तुओं की रीयल-टाइम ट्रैकिंग और उनकी ऑनलाइन बुकिंग शामिल हैं। विश्वसनीयता बढ़ाने, ग्राहकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उनके अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई ये प्रगतिशील पहलें, देशभर में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के प्रति डाक विभाग की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

188 पार्सल हबों, 234 नोडल डिलीवरी केंद्रों और 1,860 पैकेजिंग इकाइयों के मजबूत ढांचे से युक्त हमारा लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, एक जीवंत तंत्र के रूप में विकसित हो रहा है। 60,000 किलोमीटर तक फैले हुए 86 राष्ट्रीय राजमार्गों के माध्यम से हम प्रतिदिन 400 से अधिक शहरों तक अपनी सेवाएं पहुंचाते हैं; जबकि पूर्वोत्तर में हमने अमेज़न के साथ साझेदारी के जरिए 1.07 लाख पार्सल डिलीवर किए हैं। जिससे 90.88 लाख की आय प्राप्त हुई है। इसके अलावा, डाक विभाग ने नागरिक केंद्रित सेवाओं के क्षेत्र में भी स्वर्णिम योगदान दिया है। विभाग ने 450 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों के माध्यम से 1.85 करोड़ आवेदनों का निस्तारण करते हुए कुल ₹667 करोड़ अर्जित किए हैं; साथ ही, 13,352 आधार केंद्रों पर कुल 13.23 करोड़ ट्रांज़ैक्शंस संचालित करते हुए, 37.95 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ कुल ₹608.08 करोड़ की आय प्राप्त की है। छत्तीसगढ़ के सुदूर क्षेत्रों में 236 नए शाखा डाकघरों ने आशा की किरण जगाई है; जबकि डाक चौपालों की संख्या 420.65 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब 67,888 हो गई है। इन चौपालों से कुल 43.19 लाख लोग लाभान्वित हुए हैं, जिनमें से 45 प्रतिशत महिलाएं हैं।

डाक विभाग के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभांतरण ने एक जीवन रेखा की तरह काम किया है। इसके अंतर्गत 10.5 करोड़ लाभार्थियों को 90,941.13 करोड़ रुपए की धनराशि संवितरित की गई है। 1 मई 2025 को शुरू किए गए ज्ञान पोस्ट और डाक घर निर्यात केंद्रों की 1,013 यूनिटों के जरिए कुल 262.98 करोड़ रुपए मूल्य के 11.27 लाख शिपमेंट्स हैंडल किए गए है। इसमें दर्ज की गई 192.20 प्रतिशत की यह वृद्धि ज्ञान और व्यापार के क्षेत्र में सुनहरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। इसके अलावा, रोज़गार मेला के अंतर्गत 17 सितंबर 2025 तक 1,80,985 नियुक्ति प्रस्तावों में से 1,47,569 नए सहकर्मियों (1,30,486 जीडीएस, 17,083 डीआर) को नियुक्ति पत्र सौंपे जा चुके हैं। डाक कर्मयोगी ई-लर्निंग के तहत कुल 5.02 लाख कर्मचारियों ने 1.02 करोड़ पाठ्यक्रमों में भाग लिया है जो 328.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। डाक विभाग ने राष्ट्रीय गौरव के साझा ताने-बाने का हिस्सा बनते हुए जनभागीदारी कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया है। हमारे 13,934 डाकघरों ने 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम में भाग लिया और 6.95 करोड़ मतदाताओं को राष्ट्रीय भावना का संदेश पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हर गांव तक पहुंचने तथा हर दिल को छूने वाली डाक विभाग की प्रत्येक विजयगाथा, 'डाक सेवा - जन सेवा' के हमारे ध्येय वाक्य की आत्मा की प्रतिध्वनि है। आइए! हम विकसित भारत @2047 की ओर इस गौरव और अटूट विश्वास के साथ कदम बढ़ाएं कि भारतीय डाक द्वारा डिलीवर किए जाने वाला प्रत्येक पत्र तथा नागरिक उत्थान के लिए विभाग द्वारा किए जाने वाला प्रत्येक कार्य हमें सशक्त भारत की ओर अग्रसर करेगा।

जय हिंद!

शुभकामनाओं सहित।

ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया
संचार मंत्री, भारत सरकार

Scan this QR Code to watch the video

राष्ट्रीय डाक सप्ताह

राष्ट्रीय डाक दिवस, 2025 के अवसर पर सुश्री वंदिता कौल, सचिव, डाक विभाग ने सभी को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उन्होंने अपने संदेश में डाक सेवाओं के क्षेत्र में की जा रही नई पहलों को रेखांकित किया और राष्ट्र सेवा में भारतीय डाक की विश्वसनीयता और समर्पण का उल्लेख किया।

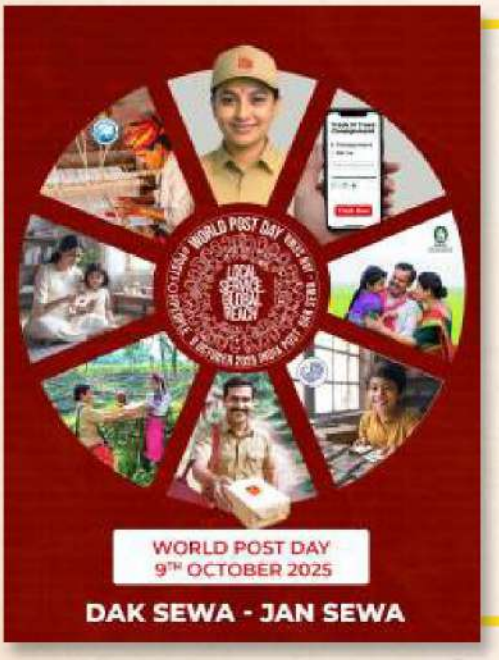

प्रत्येक वर्ष, राष्ट्रीय डाक सप्ताह, विश्व डाक दिवस (9 अक्टूबर 2025) वाले सप्ताह में मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1874 में विश्व डाक संघ (UPU) की स्थापना की गई थी। इस वर्ष डाक विभाग ने राष्ट्रीय डाक सप्ताह 6 से 10 अक्टूबर, 2025 तक मनाया। यह सप्ताह भारतीय डाक की सेवाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित है। इसके अलावा, इस अवधि के दौरान डाक विभाग की उन उपलब्धियों, प्रौद्योगिकीय उन्नति, और प्रेरणादायी मानवीय कहानियों को भी रेखांकित किया जाता है जो इसे को लोगो से जोड़ती हैं।

विश्व डाक दिवस का उद्देश्य लोगों के दैनिक जीवन और कारोबारों में डाक सेवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना और विश्वभर में सामाजिक तथा आर्थिक विकास में इन सेवाओं के महत्व को रेखांकित करना है। इस वर्ष विश्व डाक दिवस की थीम "#PostForPeople-Local Service, Global Reach" थी।

राष्ट्रीय डाक सप्ताह के दौरान, सुश्री वंदिता कौल, सचिव (डाक) ने डाक सेवा बोर्ड के सदस्यों के साथ मिलकर पत्र-लेखन के आनंद और सार्थक मानव संपर्क के महत्व को रेखांकित करते हुए 'विशेष पत्र लेखन किट' जारी की।

प्रौद्योगिकी दिवस

राष्ट्रीय डाक सप्ताह की शुरुआत 6 अक्टूबर को बडे उत्साह के साथ हुई; इस अवसर पर देशभर में प्रौद्योगिकी दिवस भी मनाया गया। विभाग की प्रौद्योगिकीय उपल्बधियों और डिजिटल पहलों को रेखांकित करने के लिए देशभर के डाक घरों में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। यह आयोजन, मौजुदा डिजिटल युग में नवाचार, अधिगम, और सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रति विभाग के समर्पण को दर्शाता है।

वित्तीय समावेशन दिवस

राष्ट्रीय डाक सप्ताह के अवसर पर आयोजित किए गए समारोहों के हिस्से के रूप में, 7 अक्टूबर 2025 को विभिन्न डाक क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन प्रोत्साहन शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों का उद्देश्य बचत योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाना और ग्रामीण समुदायों को वित्तीय साक्षरता के माध्यम से सशक्त बनाना है। इसके अलावा, प्रत्येक सब-डिविजन और प्रधान डाकघर में डाक चौपालें आयोजित की गईं।

फिलैटली और नागरिक केंद्रित सेवा दिवस।

डाक विभाग ने 8 अक्टूबर 2025 को फिलैटली और नागरिक केंद्रित सेवा दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं। फिलैटली और पत्र लेखन में रुची बढ़ाने के लिए विद्यालयों में प्रश्नोत्तरी और 'ढ़ाई अक्षर' पत्र लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

देशभर के सभी डाक सर्कलों में फिलैटली म्यूजियम भ्रमण और डाक टिकट संग्रहकर्ताओं के बीच सामूहिक वाद-विवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा, विभाग ने नागरिक केंद्रित सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिब्धता को दर्शाते हुए, जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों में आधार नामांकन शिविर भी आयोजित किए।

विश्व डाक दिवस

9 अक्टूबर 2025 को विभाग ने जनसेवा और सामूहिक भागिदारी के प्रति अपनी प्रतिब्धता को दर्शाते हुए सभी डाक सर्कलों में 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान और पोस्टाथन दौड का आयोजन कर विश्व डाक दिवस मनाया।

इस अवसर पर, थाने डिविजन ने 'भूमि वर्ल्ड इंडस्ट्रियल पार्क, भिवंडी' में एक नए डाकघर का उद्घाटन कर उत्सव मनाया। इस नए डाकघर का उद्घाटन श्री अमिताभ सिंह, माननीय मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, महाराष्ट्र सर्कल की गरिमामई उपस्थिति में किया गया।

उपभोक्ता दिवस

10 अक्टूबर 2025 को, डाक विभाग के सभी सर्कलों में उपभोक्ता दिवस मनाया। इस अवसर पर विभागीय कर्मचारियों द्वारा ग्राहक संपर्क कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक आयोजित किए गए। इस कार्यक्रमों की थीम 'ग्राहकों के साथ आत्मीय व्यवहार' पर केंद्रित थी।

विभाग द्वारा शुरू की गई पहलों के बारे में जानकारी देने के लिए सर्कलों द्वारा प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के सहयोग से प्रेस बैठकें आयोजित की गईं।

भारतीय डाक ने कारोबार शिखर सम्मेलन 2025-26 (दूसरी तिमाही) में भविष्य का खाका प्रस्तुत किया।

माननीय केंद्रीय संचार और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री, श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने नई दिल्ली में आयोजित कारोबार शिखर सम्मेलन 2025-26 (दूसरी तिमाही) में सचिव (डाक), डाक सेवा बोर्ड के सदस्यों, और सभी 23 मुख्य पोस्ट मास्टर जनरलों (सीपीएमजी) की उपस्थिति में, वित्तवर्ष 2025-26 के लिए भारतीय डाक की दूसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा की।

दूसरी तिमाही का 80% लक्ष्य और पहली छमाही में 38% वार्षिक लक्ष्य प्राप्त करते हुए भारतीय डाक निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। ये परिणाम डाक विभाग के सभी मुख्य पोस्ट मास्टर जनरलों के सामूहिक नेतृत्व और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। दूसरी तिमाही में अर्जित की गई प्रगति विभाग की सहक्रियता और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है और आने वाले महीनों में और भी बड़ी उपलब्धियाँ प्राप्त करने के लिए मंच तैयार होने की ओर संकेत करता है।

प्रेस ब्रीफ : डाक विभाग की प्रमुख उपलब्धियाँ

केंद्रीय संचार और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री, श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने डाक विभाग और संचार विभाग की पिछले वर्ष की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में संयुक्त मीडिया ब्रीफिंग का नेतृत्व किया।

इस मीडिया ब्रीफिंग में माननीय संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ चन्द्रशेखर पेमासानी, सचिव (डाक) सुश्री वंदिता कौल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्री सिंधिया ने इस बात को रेखांकित किया कि प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में डाक विभाग परंपरागत डाक नेटवर्क से आगे बढ़कर नागरिक केंद्रित संभारतंत्र और डिजिटल सेवा संगठन का रूप ले चुका है। यह विश्वास, प्रौद्योगिकी और प्रत्येक भारतीय परिवार को समावेशित करने तथा उस तक सेवाएं पहुंचाने का प्रतीक बनकर उभरा है।

आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह विभाग डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र (सीईपीटी) में देशज रूप से विकसित आईटी 2.0 परियोजना के माध्यम से डिजिटल रूपांतरण का कार्य कर रहा है। भारतीय डाक ने अपने संभारतंत्र को मजबूत करते हुए नए ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम) प्लेटफोर्म के जरिए ग्राहक संपर्क बढ़ाने के लिए अग्रणी ईकॉमर्स कंपनियों के साथ भी भागीदारी शुरू की है।

विभाग, वैश्विक डिलीवरी सेवाओं और निर्यात सहयोग को बेहतर बनाने के उद्देश्य से घरेलू 24/48 स्पीड पोस्ट, पार्सल नेक्सट डे डिलीवरी, पार्सल ई2ई, और डायरेक्ट लाइन, स्पीड पोस्ट इंटरनेशनल, और पार्सल लास्ट माइल जैसे अंतरराष्ट्रीय विकल्पों सहित नई सेवाएं शुरू करने जा रहा है।

विभाग द्वारा डीजिपिन सेवा भी शुरू की जा रही है। यह एक ऐसा डिजिटल पता तंत्र है जो भारत को 10-वर्ण के यूनीक कोड वाले 4मी x 4मी ग्रिडस में मैप करता है और नागरिक केंद्रित सेवा डिलीवरी, डिजिटल केवाईसी, आपात अनुक्रिया को सक्षम बनाने तथा भूस्थानिक गवर्नेंस को सुदृढ़ करने का कार्य करता है।

डाक विभाग खुद को विकसित भारत के मुख्य आधार स्तंभ के रूप में स्थापित करने हेतु संभारतंत्र संबंधी सुधारों, डिजिटल नवोन्मेष, और समावेशी विकास के माध्यम से स्वंय को अनवरत रूप से पुनर्परिभाषित कर रहा है।

ग्रामीण डाक सेवक : भारतीय डाक सेवा की धडकन

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

डाकिया केवल डाक नहीं पहुंचाता अपितु वह विश्वास के धागे के रूप में तथा समुदायों की धडकन बनकर काम करता है। केवडिया, गुजरात में आयोजित किए गए जीडीएस सम्मेलन में केंद्रीय संचार और उत्तरपूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री, श्री ज्योतीरादित्य एम. सिंधिया ने ग्रामीण डाक सेवकों से मिलकर उन्हें प्रोत्साहित किया और उनके साथ डाक विभाग द्वारा डिजिटल नवोन्मेष, वित्तीय समावेशन, सेवा विस्तार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों पर अपने विचार साझा किए।

माननीय मंत्री जी ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 25 ग्रामीण डाक सेवकों को उनके समर्पण, पेशेवर रवैये, और नागरिकों की उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित करते हुए भारतीय डाक की जैकेट, टोपी, प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह भेंट किए।

रोजगार मेला के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना

रोजगार मेला की शुरूआत प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अक्टूबर 2022 को की गई थी। इस पहल का उद्देश्य देशभर में लोखों युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। यह प्रयास, युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में सार्थक भागीदारी निभाने हेतु उन्हें तैयार करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

डाक विभाग ने रोजगार मेला अक्टूबर, 2025 संस्करण का देशभर में 40 स्थानों में सफल आयोजन किया। इन मेलों के दौरान 51000 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

इस आयोजन के एक हिस्से के रूप में डाक विभाग ने डाक प्रशिक्षण केंद्र, हरनि रोड़, वडोदरा, गुजरात में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय संचार और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री, श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान, वड़ोदरा में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 86 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

शासन और नवोन्मेष का सेतुबंधन : एसएफसी 2025 में सचिव (डाक)

सुश्री वंदित कौल, सचिव (डाक) ने राष्ट्रीय संचार अकादमी, फाइनेंस में स्पेशल फांउडेशन कोर्स (एसएफसी) 2025 के अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोंधित किया। "डाक विभाग में आईसीटी के माध्यम से सेवा डिलीवरी में आमूलचूल परिवर्तन" विषय पर बोलते हुए उन्होंने सेवा दक्षता में सुधार करने और देश के दूरस्थ क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन बढ़ावा देने में प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। सुश्री कौल ने भावी लोक सेवकों को तैयार करने में एनसीए-एफ के योगदान की सराहना की। इसके अलावा, उन्होंने अंतरिक्ष यात्री और एसएफसी 2025 में प्रतिष्ठित वक्ता ग्रुप कैप्टन सुभांशु शुक्ला को वैयक्तिकृत माय स्टैंप भी भेंट किया।

भारतीय डाक के बारे में जानें : सदस्य (कार्मिक) के उद्गार

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

इस विवेकपूर्ण चर्चा में, सुश्री मंजु कुमार, सदस्य (कार्मिक), भारतीय डाक ने अपना सेवा अनुभव साझा करते हुए हमें दुनिया के सबसे बड़े डाक नेटवर्क के प्रचालन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने डाक विभाग द्वारा अपने अधिकारियों को प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों, पेशेवर प्रगति के मौकों, और भारतीय डाक को परिभाषित करने वाले समावेशी तथा जीवंत कार्य संस्कृति पर चर्चा की।

पिछली 170 वर्षों से, डाक विभाग समर्पण, साहस, और नवाचार के जरिए प्रत्येक चुनौती को पार करते हुए सेवाभाव को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर कार्य कर रहा है। इसके कर्मचारी अटूट प्रतिबद्धता के साथ अनवरत रूप से देश की सेवा कर रहे हैं और इस तरह भारतीय डाक विश्वास एवं भरोसे का प्रतीक बनकर उभरा है।

स्पीड पोस्ट : तीव्र, सुरक्षित, कुशल

स्पीड पोस्ट सेवा ने पसंदीदा डिलीवरी सेवा के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करने के लिए विश्वसनीयता, सुरक्षा और सहजता में सुधार करने के उद्देश्य से निम्नलिखित विशेषताएं अपनाते हुए खुद को अपग्रेड किया है :

- **ओटीपी आधारित सुरक्षित डिलीवरी**
- **ऑनलाइन भुगतान सुविधा**
- **एसएमएस आधारित डिलीवरी सूचनाएं**
- **सुविधाजनक ऑनलाइन बुकिंग सेवाएं**
- **कदम-कदम पर डिलीवरी संबंधी अद्यतन जानकारियां**
- **उपयोगकर्ताओं के लिए पंजीकरण सुविधा**

दस्तावेजों और पार्सलों दोनों के लिए पंजीकरण सेवा भी मूल्य-वर्धित सेवा के रूप में उपलब्ध है। ग्राहक 5/- रूपए प्रति डाक वस्तु (जीएसटी अलग से) से प्रेषिती-विशिष्ट सुरक्षित डिलीवरी सेवा का लाभ उठा सकते हैं। इसके अंतर्गत भेजी गई डाक वस्तु केवल प्रेषिती अथवा अधिकृत व्यक्ति को ही डिलीवर की जाती है।

ये पहलें डाक विभाग की 'और अधिक सुरक्षित', 'पारदर्शी' तथा 'प्रौद्योगिकी-सक्षम सेवा प्रदाता' बनने की अनवरत यात्रा का हिस्सा हैं।

डाक विभाग ने अमेरिका के लिए अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाएं बहाल कीं

डाक विभाग ने 15 अक्टूबर 2025 से अमेरिका के लिए सभी श्रेणियों की अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवाएँ बहाल कर दीं । ये सेवाएँ अमेरिका के नवीन सीमा शुल्क नियमों के कारण 22 अगस्त 2025 को निलंबित कर दी गई थीं। भारतीय डाक ने इनके अनुपालनार्थ व्यापक प्रणाली विकासित की और उसके सफल परीक्षण के बाद 'डिलीवरी ड्यूटी पेड' (डीडीपी) तंत्र स्थापित किया है। इस तंत्र के तहत सीमा शुल्क भारत में वसूल किया जाता है और सीधे अमेरिकी सीमा शुल्क विभाग को विप्रेषित कर दिया जाता है। यह पहल एमएसएमई, कारीगरों, और निर्यातकों को अमेरिका के लिए शिपमेंट्स भेजने हेतु किफायती पूर्ण अनुपालक और भरोसेमंद चैनल का उपयोग जारी रखने की सुविधा प्रदान करती है।

भारतीय डाक ने पूर्व-सैनिकों के लिए दवाइयों की द्वार पर डिलीवरी प्रारम्भ की

डाक विभाग (डीओपी) ने ईसीएचएस पॉलीक्लिनिकों में उपलब्ध न होने वाली दवाओं की डिलीवरी के लिए भूतपूर्व सैनिक विभाग (डीईएसडब्ल्यू) के सहयोग से भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के अंतर्गत दवाओं के पिकअप, बुकिंग, पारेषण और द्वार तक डिलीवरी की सुविधा प्रदान करने के लिए एक समर्पित सेवा शुरू की है।

इस पहल के तहत, ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक्स में स्थित ग्राम स्तरीय उद्यमियों (वीएलई) के कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से दवाओं की खरीद और पैकेजिंग की जाएगी, जबकि संभारतंत्र और डिलीवरी का प्रबंधन भारतीय डाक के विश्वसनीय डिलीवरी नेटवर्क द्वारा किया जाएगा। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि देशभर में ईसीएचएस लाभार्थियों तक दवाओं को कुशलतापूर्वक और सुरक्षित रूप से पहुँचाया जा सके।

विशेष अभियान 5.0

कार्यस्थल पर साइबर हाइजीन को बढ़ावा देना

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह 2025 के भाग के रूप में, विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत, 15 अक्टूबर 2025 को जीपी रॉय समिति कक्ष, डाक भवन, नई दिल्ली में 'साइबर स्वच्छता' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया । सेमिनार में डिजिटल सुविधाओं के सुरक्षित ढंग से उपयोग के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला गया और अधिकारियों को सुरक्षित ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कुछ सरल आदतें अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

रिकॉर्ड प्रबंधन के माध्यम से दक्षता बढ़ाना

डाक विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार द्वारा आयोजित एक अभिलेख प्रबंधन कार्यशाला में भाग लिया । इस सत्र में कार्यकुशलता, पारदर्शिता बढ़ाने और अभिलेखों को लंबे समय तक संरक्षित रखने में व्यवस्थित अभिलेख रखरखाव की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रभावी दस्तावेज़ीकरण, उचित फाइलिंग और अभिलेखीय मानकों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। यह पहल अभिलेख प्रबंधन की सर्वोत्तम पद्धतियों के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सेवाओं में बदलाव: बेंगलुरु जीपीओ

श्री वी. श्रीनिवास , सचिव, डीएआरपीजी, ने कर्नाटक सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री के. प्रकाश के साथ विशेष अभियान 5.0 की समीक्षा करने हेतु बेंगलुरु जीपीओ का दौरा किया।

चर्चाओं में पिछले पांच वर्षों में विशेष अभियानों के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला गया और डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र, डाक सेवा ऐप, डिजीपिन और सेवाओं की बेहतर डिलीवरी की रीइंजीनियरिंग जैसी पहलों के माध्यम से नागरिक-केंद्रित शासन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

सचिव, डीएआरपीजी ने डाक भवन में विशेष अभियान 5.0 की प्रगति की समीक्षा की

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने डाक भवन के अपने दौरे के दौरान विशेष अभियान 5.0 की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने भारतीय डाक विभाग द्वारा 90,000 से अधिक जन शिकायतों के समाधान करने, 15,000 फाइलों को निपटाने, कबाड़ निस्तार से ₹56 लाख की आय अर्जित करने और देशभर में 1.25 लाख स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाने में विभाग के सराहनीय प्रयासों की सराहना की।

भारतीय डाक ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 मनाया

27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक सभी डाक विभाग के सभी कार्यालियों और भवनों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। डाक सचिव सुश्री वंदिता कौल ने पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक शासन के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए भारतीय डाक विभाग के अधिकारियों और पदधारियों की उपस्थिति में "सतर्कता : हमारी साझा ज़िम्मेदारी" विषय पर 'सत्यनिष्ठा की शपथ' दिलाई।

राष्ट्रीय एकता दिवस 2025

31 अक्टूबर 2025 को, डाक विभाग ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सभी डाक सर्कलों में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया।

सुश्री वंदिता कौल, सचिव (डाक) ने डाक विभाग के अधिकारियों और पदाधिकारियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ ली और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के दृष्टिकोण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

डाक नायक:
साहस, धैर्य और सेवा के प्रतीक

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

पलामू, झारखंड के एक गाँव में तैनात एबीपीएम सुश्री प्रगति कुमारी अपने समर्पण और सेवा के बल पर ग्रामीण महिलाओं के साथ आत्मीय व्यक्तिगत संबंध स्थापित कर उन्हें बचत और निवेश का महत्व सिखा रही हैं और आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रही हैं। सुश्री प्रगति घर-घर जाकर सेवा के साथ-साथ विश्वास और उन्नति का संदेश भी पहुँचाने का काम कर रही हैं।

शंकरपुर शाखा डाकघर, असम की ग्रामीण डाक सेवक, दीपन्निता नस्कर के सपनों का भारत आत्मनिर्भर, सशक्त राष्ट्र है। एक ऐसा राष्ट्र जहाँ हर घर में प्रगति की उड़ान पूरी कर सके। उनके लिए डाक विभाग का काम आजीविका का साधन मात्र नहीं, अपितु बदलाव का अभियान है।

असम के काजीरंगा में वर्ष 2008 से डाकिये के रूप में कार्यरत श्री पंकज बोरा न सिर्फ चिट्ठियां पहुँचाने का काम कर रहे हैं; बल्कि एक सशक्त संपर्क मार्ग के रूप में मौजूद हैं। धुंध भरी सुबहों और जंगली रास्तों से होते हुए, वे उन गाँवों तक पहुँचते हैं जहाँ सड़कें तो नहीं पहुँच सकी हैं, किन्तु संचार अनवरत पहुँच रहा है। काजीरंगा की मनोरम सुंदरता के बीच, श्री पंकज बोरा अपने अटूट समर्पण से हर घर तक भावनाओं, स्मृतियों और वायदों की डिलीवरी करते हुए इस पर्वतीय क्षेत्र के हृदय में भारतीय डाक के लिए विशेष स्थान कायम करता है।

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

छत्तीसगढ़ के भरदाकला की बीपीएम सुश्री योगिता साहू ने अपने क्षेत्र के कई परिवारों को बीमा कराने में मदद की है और इस प्रकार सिर्फ एक साल में ही ₹1 करोड़ से ज़्यादा का कारोबार किया है। उनके घर-घर जाकर पूरा किए गए अभियानों, सामुदायिक संपर्क प्रयासों और वित्तीय समावेशन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने ग्रामीणों के बीच विश्वास पैदा किया है और डाक बीमा योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाई है।

असम के पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य में डाकिया श्री बिराज बल्लव नाथ, गांव और लोगों के सपनों के बीच सेतु का काम करते हैं। पिछले दो सालों से, वे हर घर से संपर्क करके उनका ध्यान रख रहे हैं। चाहे मार्गदर्शन हो, दस्तावेज़ हों या आश्वासन, बिराज सब कुछ दृढ़ संकल्प और सहज मुस्कान के साथ प्रदान करते हैं।

विशेष फीचर्स

महाराष्ट्र का तुलजापुर डाकघर भक्तों को प्रसाद सेवाएं प्रदान करता है। माँ तुलजा भवानी के मंदिर में दर्शन करने वाले लोग डाकघर से देश भर में अपने परिवार और दोस्तों को प्रसाद भेजते हैं।

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

दरभंगा स्थित डाक प्रशिक्षण केंद्र परंपरा और प्रगति का अनूठा संगम है। मूल रूप से 1934 में महाराज कामेश्वर सिंह द्वारा अपने भाई बहादुर बिशेश्वर सिंह के लिए निर्मित, यह महल अब डाक अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए समर्पित एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में कार्य करता है।

65 एकड़ में फैला यह ऐतिहासिक परिसर, भारतीय डाक के सच्चे कर्मयोगियों को आकार देने के लिए विरासत, अनुशासन और आधुनिक तकनीक का खूबसूरती संगम है। यह केंद्र बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड डाक सर्कलों के डाक अधिकारियों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिससे प्रत्येक प्रशिक्षु में जनसेवा और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की प्रबल भावना जागृत होती है।

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

भारतीय डाक विभाग प्रसिद्ध अभिनेता श्री मकरंद देशपांडे के जीवन का एक अहम हिस्सा रहा है। इस वीडियो में, वह अपने पिता को याद करते हैं, जो एक छंटाई सहायक थे, और बताते हैं कि कैसे वे बचपन में चिट्ठियों का इंतज़ार करते थे।

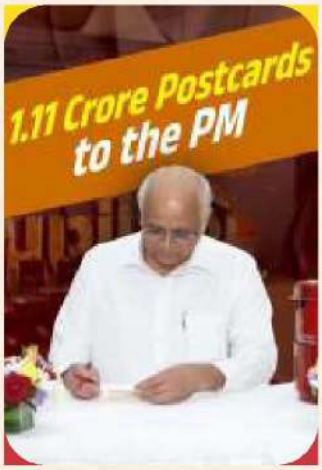

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

विकास सप्ताह 2025 के दौरान, देश भर के नागरिक अपनी प्रगति और विकास की कहानियां साझा करने के लिए एक साथ आए। भारतीय डाक ने इन भावपूर्ण संदेशों को देश के हृदय तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गुजरात के कोने-कोने से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को 1.11 करोड़ पोस्टकार्ड भेजे गए, जो भारत की सेवा और विकास यात्रा के एक गौरवशाली अध्याय का प्रतीक है।

फिलैटली : डाक टिकट एवं कहानियां

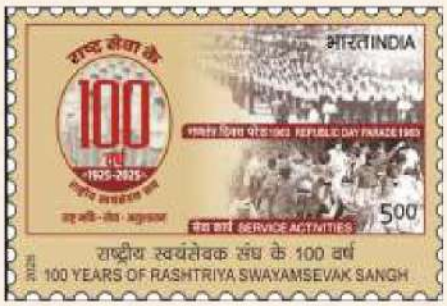

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 1 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस कार्यक्रम में संगठन की 100 वर्ष की यात्रा और योगदान का सम्मान किया गया।

भारतीय डाक ने भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक संयुक्त स्मारक डाक टिकट जारी किया। यह टिकट माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मंगोलिया के राष्ट्रपति खुरेलसुख उखना द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया गया, जो भारत-मंगोलिया संबंधों की मजबूती और गर्मजोशी का प्रतीक है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। यह डाक टिकट भारत के लौह पुरुष की एकता, अखंडता और राष्ट्र निर्माण की चिरस्थायी विरासत का जश्न मनाता है।

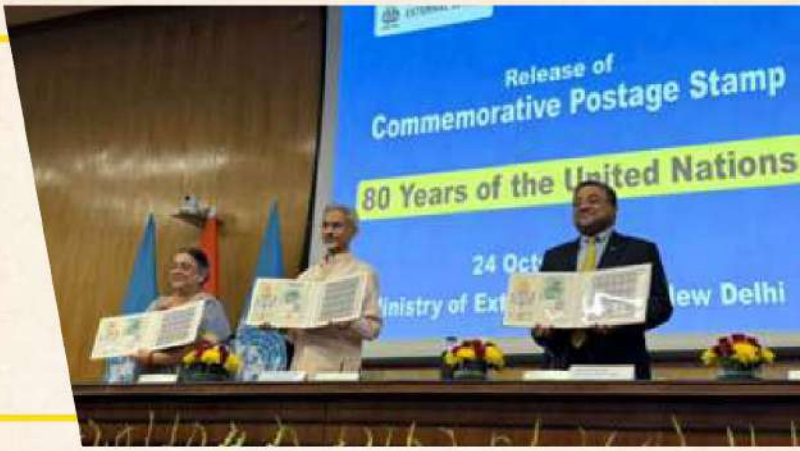

दिल्ली में माननीय केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की उपस्थिति में सुश्री वंदिता कौल, सचिव (डाक) द्वारा संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के 80 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट नई जारी किया गया। यह डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण और विशेष विरूपण के साथ, वैश्विक मंच पर शांति, सहयोग और बहुपक्षवाद के प्रणेता के रूप में भारत की स्थायी भूमिका को खूबसूरती से उजागर करता है।

वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने, लोजिस्टिक दक्षता बढ़ाने और आर्थिक विकास को गति देने में नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण (एनएमपीए) की शताब्दी की सेवा को श्रद्धांजलि देते हुए एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। यह डाक टिकट केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल, नव मंगलूर पत्तन प्राधिकरण (एनएमपीए) के अध्यक्ष डॉ. वेंकट रमण अक्काराजू और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय तथा एनएमपीए के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में कर्नल अखिलेश कुमार पांडे, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, दिल्ली सर्कल द्वारा जारी किया गया।

माननीय रक्षा राज्य मंत्री, श्री संजय सेठ मेजर ने जनरल सुश्री शिप्रा शर्मा, अपर महानिदेशक, एपीएस तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में मिलिट्री नर्सिंग सर्विस पर एक स्मारक डाक टिकट जारी किया।

समाज और राष्ट्र के प्रति श्री सीताराम मारू के अमिट योगदान के लिए श्रद्धांजलि स्वरूप, भारतीय डाक ने झारखंड के राजभवन में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस विमोचन समारोह में झारखंड के माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार भी उपस्थित थे।

ज़ैन्डर ग्रुप के 20 वर्षों पर एक कस्टमाइज़्ड माई स्टैम्प कर्नल अखिलेश कुमार पांडे, सीपीएमजी दिल्ली द्वारा ज़ैंन्डर ग्रुप के संस्थापक श्री सिद्धार्थ योग और अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में जारी किया गया।

शास्त्रीय मराठी भाषा सम्मान दिवस के अवसर पर, महाराष्ट्र सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री अमिताभ सिंह ने एक कस्टमाइज्ड माइ स्टैम्प और विशेष विरूपण के साथ एक विशेष आवरण जारी किया तथा पहला एल्बम महाराष्ट्र राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फड़नवीस जी को सौंपा।

छत्रपति शिवाजी महाराज के 350वें राज्याभिषेक समारोह के उपलक्ष्य में, चंद्रपुर में सुश्री शोभा मधले, पीएमजी नागपुर द्वारा छत्रपति संभाजी महाराज पर एक कस्टमाइज्ड 'माइ स्टैम्प' का विमोचन किया गया। प्रथम एल्बम महाराष्ट्र राज्य के माननीय मंत्री श्री सुधीरभाऊ मुनगंटीवार को अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में सौंपा गया।

भारत डायमंड ब्रूस के 41 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, महाराष्ट्र सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री अमिताभ सिंह ने भारत डायमंड ब्रूस के अध्यक्ष श्री अनूप मेहता की उपस्थिति में एक कस्टमाइज्ड डाक टिकट जारी किया।

जेसीबी के 80 वर्षों पर एक कस्टमाइज्ड "माई स्टैम्प" हरियाणा डाक सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री सचिन किशोर द्वारा 17-10-2025 को जेसीबी इंडिया मुख्यालय, बल्लभगढ़, हरियाणा में जारी किया गया। इस अवसर पर जेसीबी इंडिया के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक श्री दीपक शेट्टी और कार्यकारी उपाध्यक्ष श्री उमेश होता भी उपस्थित थे।

चिपको आंदोलन की अग्रणी और पर्यावरण एवं प्रकृति संरक्षण की प्रेरणास्रोत स्वर्गीय गौरा देवी की जन्म शताब्दी के अवसर पर, उत्तराखंड सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल द्वारा जोशीमठ के रैणी गांव - वह स्थान जहां उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया, में एक विशेष माई स्टैम्प और विशेष आवरण जारी किया गया।

डाक सचिव सुश्री वंदिता कौल ने डाक सेवा बोर्ड के सदस्यों और अधिकारियों के साथ मिलकर विशेष दिवाली पोस्टकार्ड जारी किए, जो दिलों को रोशन करने वाले संदेशों के साथ रोशनी के मौसम की शुरुआत का प्रतीक थे।

महाराष्ट्र सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री अमिताभ सिंह द्वारा मुंबई में सावंतवाड़ी के प्रतिष्ठित राजसी भोंसले परिवार और महाराष्ट्र सर्कल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में उत्कृष्ट सावंतवाड़ी गंजीफा कला वाले 10 चित्र पोस्टकार्डों का एक पैक जारी किया गया।

डाक विभाग, मध्य प्रदेश सर्कल ने भोपाल में एक विशेष समारोह के साथ विश्व डाक दिवस मनाया। इस अवसर पर विश्व डाक दिवस और डाक निर्यात केंद्र पर एक चित्र पोस्टकार्ड और विशेष विरूपण जारी किया गया। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री विनीत माथुर, श्री पवन कुमार डालमिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विश्व डाक दिवस 2025 के उपलक्ष्य में कोलकाता जीपीओ में "समय के साथ उभरती - भारतीय डाक" विषय पर एक विशेष आवरण जारी किया गया। इस आवरण का औपचारिक अनावरण पश्चिम बंगाल सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री अशोक कुमार ने किया। अनावरण के दौरान श्री सुप्रिया घोष एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

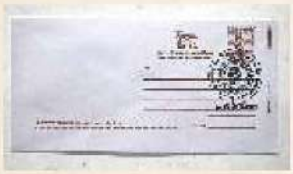

भारतीय डाक की मूल भावना और विरासत को याद करने के लिए, महाराष्ट्र डाक सर्कल ने विश्व डाक दिवस के अवसर पर एक विशेष विरूपण जारी किया। इस कार्यक्रम में देश भर में उत्कृष्ट सेवा और कनेक्टिविटी के प्रति भारतीय डाक की निरंतर प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।

छत्तीसगढ़ डाक सर्कल ने छठ पूजा के उपलक्ष्य में एक विशेष विरूपण जारी किया। छत्तीसगढ़ सर्कल के श्री दिनेश मिस्त्री, माननीय निदेशक, डाक सेवा, द्वारा इसका विमोचन किया गया। इस अवसर पर सर्कल कार्यालय के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्य झलकियां

भारतीय डाक के शीर्ष प्रशिक्षण संस्थान रफी अहमद किदवई राष्ट्रीय डाक अकादमी (आरएकेएनपीए) को क्षमता निर्माण आयोग द्वारा सिविल सेवा प्रशिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय मानकों (एनएससीएसटीआई) के तहत एक उत्कृष्ट (5-स्टार) संस्थान के रूप में मान्यता दी गई है। यह मान्यता सिविल सेवा फ्रेमवर्क में प्रशिक्षण, नवाचार और क्षमता निर्माण में रफी अहमद किदवई राष्ट्रीय डाक अकादमी की उत्कृष्टता को उजागर करती है।

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को टैकन करें

कर्नाटक डाक सर्कल ने युवा सशक्तिकरण एवं खेल विभाग, कर्नाटक सरकार के सहयोग से 26 अक्टूबर 2025 को मैसूरू मैराथन 2025 का आयोजन किया।

श्री यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार, माननीय सांसद एवं मैसूरू के महाराजा तथा श्री के. प्रकाश, सीपीएमजी, कर्नाटक डाक सर्कल ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई और कार्यक्रम में भाग लिया।

छत्तीसगढ़ डाक सर्कल ने दुर्ग में 'सुकन्या चैलेंजेस बैडमिंटन ट्रॉफी 2025' का सफलतापूर्वक समापन किया। समापन समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया गया और बच्चों को सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से बचत की आदत डालने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे उन्हें कम उम्र से ही वित्तीय जागरूकता और अनुशासन को बढ़ावा मिले।

29.10.2025 को, उत्तर पूर्व सर्कल के प्रसिद्ध नज़रुल कलाक्षेत्र, अगरतला में सर्कल स्तरीय फिलैटली प्रदर्शनी, ट्राईपेक्स-2025 का आयोजन किया गया। फिलैटली प्रदर्शनी का उद्घाटन इंटैक त्रिपुरा चैप्टर की संयोजक महाराज कुमारी प्रज्ञा देबबर्मन ने किया।

उज्जैन सर्कल ने ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण हेतु "उज्ज्वल उज्जैन अभियान - डाक सेवा से विरासत संरक्षण तक" अभियान शुरू किया, जिसके अंतर्गत स्वच्छोत्सव 2025 अभियान के दौरान उज्जैन स्थित 17वीं शताब्दी के प्राचीन राम जनार्दन मंदिर परिसर की सफाई की गई।

चेन्नई स्थित सर्कल कार्यालय परिसर में नव स्थापित क्रैश सुविधा - "थलिर्निलम" का उद्घाटन तमिलनाडु सर्कल की मुख्य पोस्टमास्टर जनरल सुश्री मरियम्मा थॉमस ने किया। यह पहल भारतीय डाक विभाग की एक सहायक और समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देने और कर्मचारियों और उनके बच्चों के लिए एक आरामदायक वातावरण सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस (11 अक्टूबर) के अवसर पर, माननीय एमएसएमई, एसईआरपी और एनआरआई संबंध मंत्री, श्री कोंडापल्ली श्रीनिवास गारु ने छह बालिकाओं के लिए सुकन्या समृद्धि योजना को प्रायोजित किया। यह पहल बालिकाओं को सशक्त बनाने के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को खूबसूरती से दर्शाती है।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती वीना जॉर्ज ने तिरुवनंतपुरम उत्तर मंडल के वरिष्ठ डाकघर अधीक्षक श्री राहुल आर., आईपीओएस की उपस्थिति में निर्णय हब और स्पोक लैब नेटवर्क का आधिकारिक उद्घाटन और लोगो का अनावरण किया। यह पहल निर्णय परियोजना के अंतर्गत नवाचार, सहयोग और सेवा उत्कृष्टता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कन्नूर जिला स्तरीय डाक टिकट संग्रह प्रदर्शनी, कन्नूरपैक्स 2025, भारतीय डाक, कन्नूर प्रभाग द्वारा आयोजित, 15 और 16 अक्टूबर 2025 को आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में कन्नूर जिले के डाक टिकट संग्रहकर्ताओं की समृद्ध विरासत और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री आर. एल. बैजू, माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय, कन्नूर ने श्री सईद राशिद, माननीय पोस्टमास्टर जनरल, उत्तरी क्षेत्र, कालीकट, केरल की उपस्थिति में किया।

इस कार्यक्रम के दौरान "कन्नूर मैंग्रोव वन" पर एक विशेष आवरण का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में दुर्लभ और विषयगत डाक टिकटों का प्रदर्शन भी किया गया। प्रदर्शनी का उद्देश्य जनता, विशेषकर छात्रों के बीच डाक टिकट संग्रह के शौक को बढ़ावा देना था। लगभग 2,000 छात्रों ने प्रदर्शनी देखी।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा
India Post
Dak Seva-Jan Seva

हमें फॉलो करें www.indiapost.gov.in